नियोजित मोचन

ईसा मसीह

भगवान की ओर से उपहार

Randolph Dunn

Planned Redemption

अध्याय 1

क्या जो कुछ भी अस्तित्व में है, वह शून्य से ही हुआ है, भाप से भी नहीं?

हबल स्थिरांक (ब्रह्मांड के कथित विस्तार को मापने (अनुमान लगाने) के लिए कुछ वैज्ञानिकों द्वारा उपयोग किया जाने वाला एक कारक) लगभग 50 मँडरा रहा है, जिसका अर्थ है कि ब्रह्मांड लगभग 20 अरब वर्ष पुराना है।[1]1999 में हबल स्पेस टेलीस्कोप (HST) ने अनुमान लगाया कि ब्रह्मांड में 125 बिलियन आकाशगंगाएँ थीं, और हाल ही में नए कैमरे के साथ HST ने 3,000 दृश्यमान आकाशगंगाओं का अवलोकन किया है, जो कि पुराने कैमरे के साथ पहले देखी गई तुलना में दोगुनी है।[2]भले ही हम वास्तव में आकाशगंगा में तारों की संख्या की गणना नहीं कर सकते हैं, हम अनुमान लगा सकते हैं कि आकाशगंगा में लगभग 100 बिलियन (100,000,000,000) तारे हैं।[3]सूर्य एक साधारण तारा है। इसकी ऊर्जा सभी जीवन और सतही प्रक्रियाओं को संभव बनाती है। इसके ऊर्जा उत्पादन में मामूली बदलाव का पृथ्वी पर बड़ा प्रभाव हो सकता है।[4]हमारी पृथ्वी आठ ग्रहों में से एक है और बड़ी संख्या में छोटे पिंड सूर्य की परिक्रमा करते हैं।[5]

क्या यह संभव प्रतीत होता है कि कुछ इतना बड़ा और जटिल और इतनी अच्छी तरह से एकीकृत हो सकता है और कुछ भी नहीं हो सकता है?

बाइबल कहती है "शुरुआत में भगवान ('एलोहीम-बहुवचन - दिव्य वाले)[6]आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की और…मनुष्य, नर और नारी" (उत्पत्ति 1:1…28)। लेकिन मनुष्य को "हमारी छवि और हमारी समानता में" भगवान की समानता में बनाया गया था, इस प्रकार वे अन्य सभी सृष्टि से अलग थे।

दुर्घटना से या एक गैर-बुद्धिमान प्राणी द्वारा बिना कुछ विस्तृत योजना और डिजाइन के दृष्टि, ध्वनि, गंध, स्वाद और स्पर्श की जटिलताओं का समन्वय कैसे किया जा सकता है? क्या आपने कभी परमेश्वर के स्वरूप या समानता के बारे में सोचा है? हम बाइबल में सीखते हैं कि परमेश्वर प्रेम, सत्य, विश्वासयोग्य, दयालु, न्यायी, शांति, पवित्र, धर्मी है और निर्णय लेने या चुनाव करने में सक्षम है।

क्या यह विश्वास करना आसान है कि इस तरह के जटिल ब्रह्मांड डिजाइन द्वारा उत्पन्न हुए हैं या यह विश्वास करना आसान है कि सब कुछ बिना किसी योजना या डिजाइन के संयोग से हुआ?

अध्याय दो

क्या बाइबल मनुष्य के लिए परमेश्वर का संदेश है?

"आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। वह शुरुआत में परमेश्वर के साथ थे।" (जॉन 1:1-2 एनआईवी)

---

[1]Archive.ncsa.uiuc.edu/Cyberia/Cosmos/ExpandUni.html
[2]magine.gsfc.nasa.gov/docs/ask_astro/answers/021127a.html
[3]जिज्ञासु.एस्ट्रो.कॉर्नेल.edu/question.php?number=31
[4]जर्सी.उरेगॉन.edu/~mstrick/खगोल विज्ञान/Astro_Lectures/sun.html#Intro
[5]Nineplanets.org/sol.html
[6] थायर का ग्रीक लेक्सिकनऔर ब्राउन ड्राइवर और ब्रिग्स हिब्रू शब्दकोश, वुडसाइड बाइबिल फैलोशिप,

यहूदियों ने व्यवस्था, भविष्यद्वक्ताओं और भजनों को शास्त्र के रूप में संदर्भित किया।

"और जब वह अपके राज्य की गद्दी पर विराजमान हो, तब वह इस व्यवस्या की एक पुस्तक में जो लेवीय याजकोंके साम्हने है उसकी एक पुस्तक में लिखे; और वह उसके पास रहे, और वह अपने जीवन भर उसका पाठ करेगा; जिस से वह अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानना, और इस व्यवस्या और इन विधियोंकी सब बातोंका पालन करना सीखे।" (व्यवस्थाविवरण 17:17-18 एएसवी)

"फिर उस ने उन से कहा, ये मेरी वे बातें हैं, जो मैं ने तुम्हारे साय रहते हुए, तुम से कही यीं कि अवश्य है, कि जितनी बातें मूसा की व्यवस्या और भविष्यद्वक्ताओं और भजनोंकी पुस्तकोंमें लिखी हैं, सब पूरी हों। मेरे विषय में।'" (लूका 24:44 - एएसवी)

"सबसे बढ़कर, तुम्हें यह समझना चाहिए कि पवित्रशास्त्र की कोई भी भविष्यवाणी भविष्यद्वक्ता की अपनी व्याख्या के द्वारा नहीं हुई। क्योंकि कोई भी भविष्यद्वाणी मनुष्य की इच्छा से कभी नहीं हुई पर भक्त जन पवित्र आत्मा के द्वारा उभारे जाकर परमेश्वर की ओर से बोलते थे" (2 पतरस 1:20-21 एनआईवी)।

पॉल ने कहा "सभी पवित्रशास्त्र ईश्वर-प्रेरित [प्रेरित (एएसवी)] हैं और शिक्षण, फटकार, सुधार और धार्मिकता में प्रशिक्षण के लिए उपयोगी हैं, ताकि ईश्वर का आदमी हर अच्छे काम के लिए पूरी तरह से तैयार हो सके।" (2 तीमुथियुस 3:16-17 एनआईवी)

"वह [यीशु] नासरत को गया, जहां वह पाला पोसा गया था, और अपनी रीति के अनुसार सब्त के दिन आराधनालय में गया। और वह पढ़ने के लिए खड़ा हो गया। उसे नबी यशायाह की पुस्तक दी गई। उसे खोलकर, उसे वह स्थान मिला जहाँ लिखा है:'यहोवा का आत्मा मुझ पर है, क्योंकि उस ने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है। उसने मुझे इसलिए भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टि पाने का प्रचार करूं, और दबे हुओं को छुड़ाऊं, और यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष का प्रचार करूं। (यशायाह 61:1-2) तब उस ने पुस्तक लपेटकर सेवक को लौटा दी, और बैठ गया। आराधनालय में सभी की आंखें उस पर टिकी थीं, और वह उनसे कहने लगा, 'आज यह पवित्रशास्त्र आपके सामने पूरा हुआ है।'" (ल्यूक 4:16-21 एनआईवी)

उपरोक्त शास्त्रों से यह स्पष्ट होना चाहिए कि परमेश्वर अपने प्रेरित वचन, बाइबल के माध्यम से मनुष्य से बात करता है?

अध्याय 3

मनुष्य के कार्यों को कौन नियंत्रित करता है?

क्या परमेश्वर मनुष्य को पाप करने से रोकता है? या, क्या शैतान मनुष्य को पाप करने के लिए विवश करता है?

इन प्रश्नों का उत्तर उत्पत्ति के तीसरे अध्याय में आदम और हव्वा के अध्ययन में पाया जा सकता है।

परमेश्वर ने मनुष्य, आदम और हव्वा को अदन (स्वर्ग) में रखा। फिर उन्होंने उसे काम करने के लिए निर्देश दिया (देखभाल, पोशाक) और इसे रखने का निर्देश दिया। ज़रा सोचिए, मनुष्य के जीवन में इस समय, वह अपने सृष्टिकर्ता परमेश्वर के साथ पूर्ण स्थान पर और पूर्ण संबंध में था। याद रखें कि मनुष्य परमेश्वर के स्वरूप में बनाया गया था, न कि उसके वास्तविक स्वभाव के अनुरूप। अदन की वाटिका की देखभाल करना ही एकमात्र ऐसी चीज़ नहीं थी जिसकी

माँग परमेश्वर आदम से करता था। परमेश्वर ने आदम और हव्वा को भले और बुरे के ज्ञान के वृक्ष का फल न खाने का निर्देश दिया, आज्ञा दी। “बाग के किसी भी पेड़ का फल खाने के लिए तुम आज़ाद हो। परन्तु भले या बुरे के ज्ञान का जो वृक्ष है उसका फल तुम कभी न खाना क्योंकि जब तुम उसका फल खाओगे तो निश्चय मर जाओगे।" (उत्पत्ति 2:16-17 GWT)

“परमेश्वर ने इन मनुष्यों से यह कहकर आशीष दी, कि फूलो-फलो, पृथ्वी में भर जाओ, और उसको अपने वश में कर लो! समुद्र की मछलियों पर, और उड़ने वाले पक्षियों पर, और पृथ्वी पर रेंगने वाले सब जन्तुओं पर स्वामी बनो!'” (उत्पत्ति 1:28 ISV)

यदि परमेश्वर ने मनुष्य को निर्णय लेने की क्षमता के बिना बनाया होता, तो उसने उसे यह निर्देश नहीं दिया होता कि वह चुनाव करे, पेड़ के फल को न खाए, "फूलो-फलो, बढ़ो, पृथ्वी में भर जाओ, और अपने वश में कर लो” या ईडन गार्डन की देखभाल करने के लिए।

अब आदम और हव्वा ने भले और बुरे के ज्ञान के वृक्ष के फल को कई बार देखा होगा। पेड़ को देखना पाप नहीं था। लेकिन उन्होंने पेड़ को अलग तरह से देखा जब शैतान, धोखेबाज, ने सर्प के रूप में पूछा"क्या परमेश्वर ने सचमुच कहा, 'तू इस बाटिका के किसी वृक्ष का फल न खाना'?” …"क्योंकि परमेश्वर जानता है, कि जब तुम उसका फल खाओगे, तब तुम्हारी आंखें खुल जाएंगी, और तुम भले बुरे का ज्ञान पाकर परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे।"(उत्पत्ति 3)। इस बार जब उन्होंने देखा तो यह ईश्वर के समान बुद्धिमान बनने की इच्छा से था। ध्यान दें कि परमेश्वर ने उन्हें प्रलोभित नहीं किया और न ही उन्हें बुद्धिमान बनने की इच्छा से रोका। वास्तव में, यह सब उन्हीं पर निर्भर था। उनके पास एक विकल्प था। वे कह सकते थे "मैं नहीं खाऊंगा।" लेकिन उन्होंने परमेश्वर के समान बुद्धिमान बनने की कोशिश करने की अपनी इच्छा को पूरा करने के लिए चुना और अपनी इच्छा के आगे झुक गए।
आदम और हव्वा ने अच्छे और बुरे के ज्ञान के वृक्ष के फल को [लालच में] देखा, वे परमेश्वर के समान बुद्धिमान बनना चाहते थे [लुभाना] और वे समझ गए कि परमेश्वर ने क्या आज्ञा दी थी। उनका परमेश्वर की आज्ञा मानने के बजाय अपनी इच्छाओं [कल्पित] के आगे झुकने का चयन करना स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि उनमें निर्णय लेने की क्षमता थी। क्या शैतान ने उन्हें भले और बुरे के ज्ञान के वृक्ष का फल खाने के लिए विवश किया? नहीं! क्या परमेश्वर ने उन्हें झुकने से रोका? नहीं! परमेश्वर की आज्ञा मानना या उसकी अवज्ञा करना उनकी पसंद थी।

सदियों बाद याकूब ने कहा, “जब किसी की परीक्षा हो, तो वह यह न कहे, कि मेरी परीक्षा परमेश्वर की ओर से होती है, क्योंकि परमेश्वर की परीक्षा बुराई से नहीं हो सकती, और वह आप किसी की परीक्षा नहीं करता। परन्तु हर एक अपनी ही अभिलाषाओं में फँसकर और फँसाकर परीक्षा में पड़ता है। फिर जब अभिलाषा गर्भवती होती है, तो पाप को जन्म देती है, और जब पाप बढ़ जाता है, तो मृत्यु को जन्म देती है।” (जेम्स 1:13-15 नेट) जेम्स सही था।

वे परमेश्वर के समान बुद्धिमान होने की अपनी इच्छा के आगे झुक गए। उन्होंने उसकी आज्ञा का सम्मान न करके परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह किया! उन्होंने पाप किया! इसने शाश्वत सर्व प्रेमी और दयालु परमेश्वर के साथ उस पूर्ण संबंध को तोड़ दिया। परिणाम कठोर लेकिन न्यायसंगत था। उनका अपराधबोध भारी था और ऐसा कुछ भी नहीं था जो वे उस रिश्ते को वापस पाने के लिए कर सकते थे। परमेश्वर ने भविष्य में होने वाली किसी चीज़ का संकेत दिया था, कुछ ऐसा जो मनुष्य को उस रिश्ते में वापस आने की अनुमति देगा। “और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में, और तेरे वंश [वंश] के बीच में बैर [द्वेष] उत्पन्न करूंगा। और उसका; वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।" (उत्पत्ति 3:15 एनआईवी)

बाद में यह पाठ मनुष्य को छुड़ाने के लिए परमेश्वर की योजना की जाँच करेगा ताकि वह उस पिछले सिद्ध संबंध में वापस आ सके।

अध्याय 4

मनुष्य की दुष्टता से भगवान नाराज हो जाते हैं।

आदम और हव्वा द्वारा आज्ञा न मानने को चुने जाने के बाद वर्षों बीत गए और परमेश्वर के साथ मनुष्य का संबंध और भी बदतर होता गया। वास्तव में, यह असहनीय हो गया। "यहोवा ने देखा, कि मनुष्यों की बुराई पृथ्वी पर बढ़ गई है, और उनके मन के विचार में जो कुछ उत्पन्न होता है सो निरन्तर बुरा ही होता है। और यहोवा पृथ्वी पर मनुष्य को बनाने से पछताया, और वह मन में खेदित हुआ। इसलिए, यहोवा ने कहा, 'मैं मनुष्य को, जिसे मैंने बनाया है, भूमि के ऊपर से मिटा दूंगा, मनुष्य और पशु और रेंगने वाले जन्तु और आकाश के पक्षी, क्योंकि मुझे खेद है कि मैंने उन्हें बनाया है। '" (उत्पत्ति 6:5-7 RSV)

लेकिन मानवजाति के लिए "नूह पर यहोवा के अनुग्रह की दृष्टि" (उत्पत्ति 6:8 RSV) की आशा थी। "विश्वास ही से नूह ने उन घटनाओं के विषय में जो उस समय दिखाई न पड़ती थीं, चितौनी पाकर चौकसी की, और अपने घराने के बचाव के लिये एक सन्दूक [नाव, जहाज] बनाया; इस द्वारा उस ने जगत को दोषी ठहराया, और उस धामिर्कता का वारिस हुआ, जो विश्वास से होती है।" (इब्रानियों 11:7 आरएसवी) नूह ने वह किया जो परमेश्वर चाहता था न कि जो वह करना चाहता था, जबकि उसके चारों ओर के सब लोग दुष्टता से जीते रहे। मुझे यकीन है कि आपने ध्यान दिया होगा कि भगवान ने विद्रोही और दुष्टों को दंडित किया लेकिन दया की और धर्मियों को बचाया।

अब तक हमने देखा है कि परमेश्वर ने किसी समय बड़े धोखेबाज (आरोपी, शैतान) के सिर को कुचलने के लिए मनुष्य के बीज की योजना बनाई थी। उसने दुष्टों को दंड देने और धर्मियों पर अनुग्रह और दया करने का वादा भी किया, लेकिन जरूरी नहीं कि उसी समय।

अध्याय 5

सभी राष्ट्रों को आशीष देने का परमेश्वर का वादा

नूह और बाढ़ के लगभग 350 वर्षों के बाद जिसने नूह और उसके परिवार को छोड़कर सभी जीवों को नष्ट कर दिया, अब्राहम का जन्म हुआ और पचहत्तर साल बाद परमेश्वर ने अब्राहम को बुलाया। "यहोवा ने अब्राम से कहा, 'अपनी भूमि, अपने कुटुम्बियों, और अपने पिता के घर को छोड़ दे। उस देश में जाओ जो मैं तुम्हें दिखाऊंगा। मैं तुम्हें एक महान राष्ट्र बनाऊंगा, मैं तुम्हें आशीर्वाद दूंगा। मैं तेरा नाम महान करूंगा, और तू आशीष का मूल होगा। जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूंगा; और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूंगा। तुम्हारे द्वारा पृथ्वी का प्रत्येक परिवार आशीषित होगा।' यहोवा के इस वचन के अनुसार अब्राम चला गया।" (उत्पत्ति 12:1-4 GWT)"वह (अब्राहम) परमेश्वर पर विश्वास करता था (प्रतिबद्ध था), और यह उसके लिए धार्मिकता के रूप में गिना गया। (गलातियों 3:6 एनआईवी)

जब उसने पृथ्वी के सभी परिवारों के बारे में बताया, तो स्पष्ट रूप से वह केवल इस्राएल के राष्ट्र का उल्लेख नहीं कर रहा था, जो अभी आने वाला था और पृथ्वी के सभी परिवारों को बताता है। "पवित्रशास्त्र ने पहिले ही से देखा कि परमेश्वर अन्यजातियों को विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराएगा, और इब्राहीम को पहिले से यह सुसमाचार सुनाया: कि सब जातियां तेरे द्वारा आशीष पाएंगी। ... प्रतिज्ञाएं इब्राहीम और उसके वंश से कही गई थीं। पवित्रशास्त्र 'और बीजों' को नहीं कहता है, जिसका अर्थ बहुत से लोग हैं, लेकिन "और आपके वंश को," जिसका अर्थ है एक व्यक्ति, जो कि मसीह है। (गलातियों 3:8, 16 एनआईवी)

सैकड़ों वर्ष बीत गए और इब्राहीम के वंशज, जिनकी अनुमानित संख्या 2 मिलियन से अधिक थी, मिस्र में गुलाम थे। “लेवी के परिवार के एक व्यक्ति ने लेवी की एक महिला को अपनी पत्नी के रूप में लिया। जब वह गर्भवती हुई और उसके एक पुत्र उत्पन्न हुआ, तब यह देखकर कि वह कितना सुन्दर बालक है, उसे तीन महीने तक छिपा रखा। (निर्गमन 2:1-2 सीजेबी)"टीजब फिरौन की बेटी नहाने के लिये नील नदी पर गई, और उसके सेवक नदी के किनारे टहल रहे थे। उसने टोकरी को नरकटों के बीच देखा और अपनी दासी को उसे लाने के लिए भेजा। उसने उसे खोला और बच्चे को देखा। वह रो रहा था, और उसे उस पर दया आ रही थी। 'यह हिब्रू बच्चों में से एक है,' उसने कहा। तब उसकी बहिन ने फिरौन की बेटी से कहा, 'क्या मैं जाकर किसी इब्री स्त्री को तेरे लिये बच्चे को दूध पिलाने को ले आऊं?' 'हाँ, जाओ,' उसने जवाब दिया। और लड़की जाकर बच्चे की माँ को ले आई। फिरौन की बेटी ने उस से कहा, 'तू इस बच्चे को ले जाकर मेरे लिये दूध पिलाया कर, और मैं तुझे भर दूंगी।' इसलिए, महिला ने बच्चे को ले लिया और उसका पालन-पोषण किया। जब बालक कुछ बड़ा हुआ, तब वह उसे फिरौन की बेटी के पास ले गई, और वह उसका बेटा हो गया। उसने उसका नाम मूसा रखा,कह रहा, 'मैंने उसे पानी से बाहर निकाला।'” (निर्गमन 2:5-10 एनआईवी)

"विश्वास ही से मूसा ने, जब बूढ़ा हो गया, तो फिरौन की बेटी का पुत्र कहलाने से इन्कार किया, और पाप के क्षणिक सुखों को भोगने की अपेक्षा परमेश्वर के लोगों के साथ क्लेश भोगना अधिक अच्छा समझा।" (इब्रानियों 11:24-25 एन.के.जे.वी.)

"परन्तु मूसा फिरौन के सम्मुख से भागा, और मिद्यान देश में रहने लगा; और एक कुएं के पास बैठ गया" (निर्गमन 2:15)। मिस्र के राजघराने की विलासिता में प्रशिक्षित होने के बाद मूसा 40 वर्ष का था जब वह फिरौन और मिस्र से भाग गया। अपने 120 साल के जीवन के अगले चालीस वर्षों के लिए वह एक नीच चरवाहा था, मिस्रियों द्वारा तिरस्कृत लेकिन भगवान द्वारा सम्मानित एक पेशा।

“मूसा अपके ससुर यित्रो नाम मिद्यान के याजक की भेड़-बकरियां चराता या; और वह भेड़-बकरियों को जंगल की पश्चिम ओर ले जाकर उसके पास आया होरेब, परमेश्वर का पर्वत। यहोवा का दूत झाड़ी के बीच से धधकती हुई आग में उसको दिखाई दिया; और उस ने क्या देखा, कि फाड़ी आग से जल रही है, तौभी फाड़ी नहीं जाती। तब मूसा ने कहा, मुझे अब उधर फिरकर यह अद्भुत दृश्य देखना है, कि वह झाड़ी क्योंनहीं जल जाती। जब यहोवा ने देखा कि मूसा देखने को मुड़ा चला आता है, तब परमेश्वर ने फाड़ी के बीच से उसको पुकार के कहा, हे मूसा, हे मूसा! और उसने कहा, 'मैं यहां हूं।' फिर उसने कहा, 'यहाँ निकट मत आना; अपके पांवोंसे जूतियां उतार दे, क्योंकि जिस स्यान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है। उसने यह भी कहा, 'मैं तुम्हारे पिता का परमेश्वर, इब्राहीम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर हूं।' तब मूसा ने अपना मुंह ढांप लिया, क्योंकि वह परमेश्वर की ओर देखने से डरता या। (निर्गमन 3:1-6 नासु)

"फिर यहोवा ने कहा, 'मैं ने अपक्की प्रजा के लोग जो मिस्र में हैं उनके दु:ख को देखा है, और उनकी जो चिल्लाहट परिश्र्म करानेवालोंके कारण होती है उसको भी मैं ने सुना है; मैं उनके कष्टों को जानता हूं, और मैं उन्हें मिस्रियों के हाथ से छुड़ाने के लिये उतर आया हूं ... आ, मैं तुझे फिरौन के पास भेजता हूं, कि तू मेरी इस्राएली प्रजा को मिस्र से निकाल ले आए।'” (निर्गमन) 3:7-11 उत्तर)

“जब फिरौन ने उन लोगों को जाने दिया, तब परमेश्वर ने उन्हें पलिश्तियों के देश में से होकर जाने वाला मार्ग छोटा होने पर भी न दिया। क्योंकि परमेश्वर ने कहा, 'यदि वे युद्ध का सामना करते हैं, तो वे अपना विचार बदल सकते हैं और मिस्र लौट सकते हैं।' इस प्रकार परमेश्वर लोगों को लाल समुद्र की ओर जाने वाले जंगल के मार्ग से घुमाता रहा।” (निर्गमन 13:17-18 एनआईवी) परन्तु फिरौन ने, इस्राएलियों को दास बनाकर रखने की इच्छा से, अपना मन बदला

और अपनी बड़ी सेना समेत उनका पीछा किया। "मूसा ने लोगों को उत्तर दिया, 'डरो मत। डटे रहो और तुम देखोगे कि आज यहोवा तुम्हारे लिए क्या छुटकारा लेकर आएगा। जिन मिस्रियों को तुम आज देखते हो उन्हें फिर कभी न देखोगे। यहोवा तुम्हारे लिये लड़ेगा; तुम्हें केवल चुप रहने की आवश्यकता है।' ... परन्तु यहोवा ने कहा, 'जब मैं फिरौन, उसके रथों और सवारों के द्वारा महिमा पाऊंगा, तब मिस्री जान लेंगे कि मैं यहोवा हूँ।' ... पानी वापस बह गया और रथों और घुड़सवारों को - फिरौन की पूरी सेना को, जो इस्राएलियों के पीछे समुद्र में गई थी, डूब गया। उनमें से एक भी नहीं बचा।" (निर्गमन 14:13-14; 17; 14:28 एनआईवी)

जब वे उस देश की ओर बढ़ते गए जिस देश की प्रतिज्ञा परमेश्वर ने इब्राहीम, इसहाक, और याकूब से की यी, वे सीनै पर्वत पर आए। जब उन्होंने मिस्र छोड़ा, वे मिस्र के कानूनों और नेतृत्व के तहत रहने वाले गुलाम थे लेकिन अब उन्हें एक राष्ट्र बनने की जरूरत थी। यहाँ परमेश्वर ने मूसा के माध्यम से उन्हें कई आज्ञाएँ दी (उनमें से जिन्हें आमतौर पर दस आज्ञाओं के रूप में संदर्भित किया जाता है), नियम और कानून उन पर शासन करने के लिए जब उन्होंने अन्य राष्ट्रों के बीच अपना स्थान ग्रहण किया। इन कानूनों ने पाप के प्रति जागरूकता पैदा की। इस प्रकार "कानून हमारे स्कूल मास्टर [ट्यूटर- (एएसवी) थे; संरक्षक-(RSV); अभिभावक- (ESV)] हमें मसीह के पास लाने के लिए, कि हम विश्वास से धर्मी ठहरें।" (गलातियों 3:24 केजेवी)

क्या यह कानून देने वाला, मूसा [इब्राहीम का वंश], वह व्यक्ति है जो पृथ्वी के सभी परिवारों को आशीर्वाद देगा? नहीं, मूसा मसीहा नहीं था।

अध्याय 6

कानून और वाचा

मूसा इब्राहीम से वादा किए गए देश में प्रवेश करने के लिए कभी नहीं मरा क्योंकि उसने खुद पर श्रेय लिया कि भगवान ने पानी के लिए चट्टान को मारा। परमेश्वर ने मूसा के द्वारा सभी जातियों को आशीष नहीं दी - केवल इस्राएल जाति को। यहोशू उनके लिए परमेश्वर का अगुवा बन गया। इस्राएल की सन्तान, प्रतिज्ञा के पुत्र इसहाक से इब्राहीम के वंशजों के परीक्षणों और क्लेशों के बारे में सब पढ़ सकते हैं। उनके लिए परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य जीवन जीना एक सतत युद्ध था। उन्होंने लगातार अपनी इच्छाओं को उन्हें भटकने दिया। लेकिन परमेश्वर ने हमेशा उनका स्वागत किया जब उन्हें उनकी दुष्टता का पता चला, उन्होंने पश्चाताप किया और अपनी आज्ञाओं का पालन करने के लिए वापस चले गए। परमेश्वर द्वारा मूसा के द्वारा दी गई व्यवस्था में कोई क्षमा नहीं थी; यह केवल एक उद्धारक, मसीहा (ग्रीक क्रिस्टोस) की ओर इशारा करता था, जो आने वाला था जो मनुष्य को उसके पापों से बचाएगा।

"तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे कुटुम्बियों में से तेरे लिये मेरे समान एक भविष्यद्वक्ता खड़ा करेगा। आपको उसकी बात सुननी चाहिए। "मैं उनके भाइयों में से तेरे समान एक नबी को उत्पन्न करूंगा, और अपना वचन उसके मुंह में डालूंगा, कि जो जो आज्ञा मैं ने उनको दी है वह उन्हें समझाए।" परन्तु यदि कोई उन वचनों को जो भविष्यद्वक्ता मेरे नाम से कहता है न सुने, तो मैं उस से लेखा लूंगा।" (व्यवस्थाविवरण 18:15, 18-19 आईएसवी)

क्या आप इस्राएल के बच्चों की तरह हैं जो लगातार प्रलोभनों से बमबारी कर रहे हैं, कभी-कभी झुक जाते हैं और क्षमा की आवश्यकता होती है?

अध्याय 7

एक नया करार

"'देखो, यहोवा की यह वाणी है, ऐसे दिन आने वाले हैं, जब मैं इस्राएल और यहूदा के घरानों से नई वाचा बान्धूंगा, उस वाचा के अनुसार नहीं जो मैं ने उनके पूर्वजों से उस समय बान्धी थी।वहमैं उनका हाथ पकड़कर उन्हें मिस्र देश से निकाल लाया।'" (यिर्मयाह 31:31-32 एनकेजेवी)

"तुम सब मनुष्यों के न्यायी परमेश्वर के पास, सिद्ध किए हुए धर्मियों की आत्माओं के पास, नई वाचा के मध्यस्थ यीशु के पास आए हो।" (इब्रानियों 12:23-24 एनआईवी)

"इसलिए वह (मसीह) नई वाचा का मध्यस्थ है, ताकि बुलाए हुए लोग प्रतिज्ञा किए हुए अनन्त मीरास को प्राप्त करें। (इब्रानियों 9:15 RSV)
किसी को कैसे बुलाया जाता है और अनंत जीवन की इस प्रतिज्ञा को प्राप्त करने के लिए क्या किया जाना चाहिए?

"यह असम्भव है कि बैलों और बकरों का लहू पापों को दूर करे। फलस्वरूप, जब मसीह जगत में आया, तो उसने कहा, 'बलिदान और भेंट तू ने नहीं चाही, परन्तु मेरे लिये एक देह तैयार की है; होमबलियों और पापबलियों से तू प्रसन्न नहीं होता। तब मैं ने कहा, 'देख, हे परमेश्वर, मैं तेरी इच्छा पूरी करने आया हूं, जैसा कि मेरे विषय में पुस्तक की पुस्तक में लिखा है। जब उसने ऊपर कहा, 'तूने न तो बलियों, और बलियों, और होमबलियों, और पापबलियों से प्रसन्न होना चाहा' (ये तो व्यवस्था के अनुसार चढ़ाए जाते हैं), फिर उसने यह भी कहा, 'देख, मैं तेरी इच्छा पूरी करने आया हूं।' वह दूसरे को स्थापित करने के लिए पहले को समाप्त कर देता है। और उसी इच्छा से हम यीशु मसीह की देह के एक ही बार बलिदान चढ़ाए जाने के द्वारा [पवित्र किए गए - NIV] पवित्र किए गए हैं।" (इब्रानियों 10:4-10 आरएसवी)

"इस उद्धार के विषय में भविष्यद्वक्ताओं ने, जिन्होंने उस अनुग्रह के विषय में कहा था जो तुम पर आनेवाला था, बड़ी सावधानी से और उस समय और परिस्थितियों का पता लगाने का प्रयत्न करते हुए, जिनकी ओर मसीह का आत्मा उन में संकेत कर रहा था, जब उसने भविष्यद्वाणी की, बड़ी सावधानी से खोजा। मसीह के कष्ट और उसके बाद होने वाली महिमा। जब उन्होंने उन बातों के विषय में बताया, जो उन लोगों ने तुम्हें बताई हैं, जिन्होंने स्वर्ग से भेजे हुए पवित्र आत्मा के द्वारा तुम्हें सुसमाचार सुनाया है, तब उन पर यह प्रगट हुआ, कि वे अपनी नहीं, परन्तु तुम्हारी सेवा कर रहे हैं। यहाँ तक कि स्वर्गदूत भी इन बातों को देखने के लिए लालायित रहते हैं।" (1 पतरस 1:10-12 एनआईवी)

"आप देखिए, बिल्कुल सही समय पर, जब हम अभी भी शक्तिहीन थे, मसीह दुष्टों के लिए मरा। किसी धर्मी जन के लिये कोई मरे, ऐसा बहुत ही कम होता है, यद्यपि किसी भले मनुष्य के लिये कोई मरने का साहस भी कर सकता है। परन्तु परमेश्वर हम पर अपना प्रेम इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा।" (रोमियों 5:6-8 एनआईवी)

"और उस ने रोटी ली, और धन्यवाद करके तोड़ी, और उन को यह कहते हुए दी, 'यह मेरी देह है जो तुम्हारे लिये दी जाती है; मेरे स्मरण के लिये यही करो। इसी रीति से भोजन के बाद उस ने कटोरा भी लेकर कहा, यह कटोरा मेरे उस लोहू में जो तुम्हारे लिये बहाया जाता है नई वाचा है।'" (लूका 22:19-20 एनआईवी)

इसलिए, मसीह के लहू का उण्डेला जाना, उसके जीवन और शरीर का देना सूली पर चढ़ने के द्वारा प्रायश्चित का बलिदान है, और कब्र से उसके पुनरुत्थान ने नई वाचा की स्थापना की।देहधारी परमेश्वर का यह रक्त बलिदान, पाप-बलि वह प्रदान करता है जो मूसा के माध्यम से परमेश्वर द्वारा दी गई वाचा के बैलों और बकरों के रक्त का पाप-बलि करने में सक्षम नहीं था। मसीह मरा नहीं रहा (उसके भौतिक शरीर ने भ्रष्टाचार नहीं देखा; यानी, सड़ना और धूल में लौट जाना। भजन संहिता 16:10) क्योंकि परमेश्वर ने उसे कब्र से उठाया था जिससे मनुष्य पर शैतान की एकमात्र पकड़ पर काबू पा लिया गया था। इसलिए मसीह, आदम के बीज, ने शैतान के सिर को कुचल दिया जब उसे

वापस लाया गया, पुनर्जीवित किया गया, जिससे मृत्यु पर विजय प्राप्त हुई। "और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में, और तेरे वंश [वंश] के बीच में बैर उत्पन्न करूंगा। और उसका; वह तेरा सिर कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।” (उत्पत्ति 3:15 एनआईवी)

क्या मसीह का प्रायश्चित बलिदान सभी को क्षमा प्रदान करता है या केवल उन्हें जो उसे और उसके उद्धार के मुफ्त उपहार को स्वीकार करना चुनते हैं?

परमेश्वर ने इब्राहीम, इसहाक और याकूब से वादा किया कि उनके वंशजों को दूध और शहद की धाराएँ बहने वाली भूमि दी जाएगी, एक सांसारिक वादा भूमि। यह वादा उनके मिस्र की दासता को पीछे छोड़ने और भेड़ों और "बैलों और बकरों" के लहू के बलिदान के साथ मूसा के माध्यम से परमेश्वर की वाचा को स्वीकार करने के बाद पूरा हुआ। हालाँकि, केवल वे लोग जिन्होंने आज्ञाकारिता के माध्यम से परमेश्वर पर भरोसा रखा और विश्वासयोग्य बने रहे, उन्हें अपनी प्रतिज्ञा की भूमि में प्रवेश करने की अनुमति दी गई।

सैकड़ों वर्षों तक, वे परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करते हुए उसके प्रति विश्वासयोग्य रहते हुए महान ऊंचाइयों तक पहुंचे और अपने चारों ओर की दुनिया के तरीकों का अनुसरण करते हुए जब उन्होंने परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह किया तो वे बहुत गहराई तक डूब गए। हालाँकि, जब उन्होंने अपने पापों को स्वीकार किया, अपनी दुष्टता का पश्चाताप किया और परमेश्वर की दया और क्षमा माँगी, तो परमेश्वर हमेशा उन्हें वापस स्वीकार करने में विश्वासयोग्य था।

इब्राहीम के लिए भगवान का वादा कि उसका "वंश" मरियम के माध्यम से पवित्र आत्मा द्वारा यीशु के जन्म के साथ सभी राष्ट्रों को आशीर्वाद देगा। सभी भविष्यवाणियों की पूर्ति, उनका जीवन, चमत्कार और चश्मदीद गवाही, और कुछ धर्मनिरपेक्ष, गैर-ईसाई या रोमन, गवाह "ईश्वर का पुत्र और मनुष्य का पुत्र" होने के उनके दावे के बारे में कोई संदेह नहीं छोड़ते हैं।

“चूंकि कानून (पुरानी वाचा) में इन वास्तविकताओं के वास्तविक रूप के बजाय आने वाली अच्छी चीजों की छाया है, इसलिए यह उन बलिदानों के द्वारा, जो हर साल लगातार चढ़ाए जाते हैं, कभी भी निकट आने वालों को सिद्ध नहीं कर सकते। अन्यथा, क्या वे चढ़ाना बंद नहीं कर देते, क्योंकि उपासक, एक बार शुद्ध हो जाने के बाद, पाप की कोई चेतना नहीं रखते? लेकिन इन बलिदानों में हर साल पाप की याद दिलायी जाती है। क्योंकि अनहोना है कि बैलों और बकरों का लोहू पापों को दूर करे।

“सो जब मसीह जगत में आया, तो उस ने कहा, बलिदान और भेंट तू ने नहीं चाही, पर मेरे लिथे एक देह तैयार की है; होमबलियों और पापबलियों से तू प्रसन्न नहीं हुआ।' तब मैंने कहा, 'देख, हे परमेश्वर, मैं तेरी इच्छा पूरी करने आया हूं, जैसा कि पुस्तक के पुस्तक में मेरे विषय में लिखा है।'

"जब उस ने ऊपर कहा, 'बलियों, और बलियों, और होमबलियों, और पापबलियों से तू ने न तो चाहा, और न प्रसन्न हुआ' (ये तो व्यवस्था के अनुसार चढ़ाए जाते हैं), तब उस ने यह भी कहा, 'देख, मैं तेरी इच्छा पूरी करने आया हूं। वह दूसरे को स्थापित करने के लिए पहले को समाप्त कर देता है। और उसी इच्छा से हम यीशु मसीह की देह के एक ही बार बलिदान चढ़ाए जाने के द्वारा पवित्र किए गए हैं।

“और हर एक याजक प्रतिदिन उसकी सेवा में खड़ा रहता है, और एक ही प्रकार के बलिदानों को बारम्बार चढ़ाता है, जो पापों को कभी भी दूर नहीं कर सकते। परन्तु जब मसीह पापों के बदले एक ही बलिदान सर्वदा के लिये चढ़ा चुका, तो परमेश्वर के दाहिने जा बैठा, और उस समय से उस की बाट जोहता रहा, कि उसके बैरी उसके पांवोंके नीचे की

चौकी बन जाएं। क्योंकि उस ने एक ही चढ़ावे के द्वारा उन्हें जो पवित्र किए जाते हैं, सर्वदा के लिये सिद्ध कर दिया है। और पवित्र आत्मा भी हमारी गवाही देता है; क्योंकि यह कहने के बाद, कि जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उन से बान्धूंगा, वह यह है, यहोवा की यह वाणी है, कि मैं अपनी व्यवस्था उनके मन पर लिखूंगा, और उन के मन पर लिखूंगा।'" (इब्रानियों 10:1-16)

"फिर वह आगे कहता है, 'मैं अब उनके पापों और उनकी अनाज्ञाकारिता को उनके विरुद्ध नहीं रखूंगा।' जब पाप क्षमा कर दिए जाते हैं, तो पापों के लिए बलिदान देने की आवश्यकता नहीं रह जाती है। भाइयों और बहनों, यीशु के लहू के कारण अब हम पवित्र स्थान में निडर होकर जा सकते हैं।" (इब्रानियों 10:17-19 जीडब्ल्यूटी)

नई वाचा नासरत के यीशु के लहू के बलिदान के साथ आई, एक ऐसा व्यक्ति जिसमें पाप के दाग या धब्बे नहीं थे, "परमेश्वर का मेम्ना जो जगत के पाप उठा ले जाता है!" ईसाई मसीह के प्रायश्चित बलिदान को याद करते हैं, जिसे आमतौर पर प्रभु भोज के रूप में संदर्भित किया जाता है।

अध्याय 8

मुक्ति का मुफ्त उपहार

जैसे आदम और हव्वा की सृष्टि में दिखाया गया है, मनुष्य को चुनने और निर्णय लेने की क्षमता दी गई थी। यह इज़राइल के बच्चों द्वारा भी पैदा किया गया है, जिन्हें भगवान ने मसीह को दुनिया में लाने के लिए चुना था, वे लगातार खुद को खुश करने के लिए चुन रहे थे और इस तरह भगवान के खिलाफ विद्रोह कर रहे थे और फिर परिणाम भुगत रहे थे। पौलुस हमें बताता है "क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है; परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा अनन्त जीवन है।" (रोमियों 6:23 केजेवी) आदम और हव्वा ने इस पाठ को कठिन तरीके से सीखा।

जो लोग यीशु की नई वाचा का हिस्सा बनने का चुनाव करते हैं, वे जो मसीह में हैं, उद्धार प्राप्त करते हैं, मसीह के शुद्ध लहू द्वारा पापों की क्षमा और आत्मिक प्रतिज्ञात देश में अनन्त जीवन।

> "कोई और हमें नहीं बचा सकता। वास्तव में, हम केवल यीशु नाम वाले की शक्ति से ही बचाए जा सकते हैं और किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा नहीं।" (अधिनियम 4:12 GWT)
>
> "क्योंकि मैं सुसमाचार [मसीह] से नहीं लजाता, वह हर एक विश्वासी के लिये, पहिले यहूदी और फिर यूनानी के लिये, उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ है। क्योंकि इसमें परमेश्वर की धार्मिकता प्रकट होती है।" (रोमियों 1:16-17 आरएसवी)

इसलिए, हम सभी ने पाप किया है। मसीह हमारा पाप-बलि है। सुसमाचार, पुनरुत्थित मसीह, मुक्ति की शक्ति, पाप की क्षमा है।

A. <u>फिर यह मसीह कौन है, नासरत का यीशु?</u>
- "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।" (यूहन्ना 1:1 एनकेजेवी)
- "वह दुनिया में था, और दुनिया उसके द्वारा बनाई गई थी, और
  संसार ने उसे नहीं जाना।" (जॉन 1:10 एनकेजेवी)

- “वचन मनुष्य बन गया और हमारे बीच में रहने लगा। हमने उनकी महिमा देखी। यह वह महिमा थी जिसे पिता अपने एकलौते पुत्र के साथ बाँटता है, वह महिमा जो करुणा से भरी हुई है और सच्चाई।" (जॉन 1:14 GWT)
- "यद्यपि वह भगवान के रूप में था और भगवान के बराबर था, उसने इस समानता का लाभ नहीं उठाया। इसके बजाय, उसने एक सेवक का रूप धारण करके, अन्य मनुष्यों की तरह बनकर, मानवीय रूप धारण करके अपने आप को शून्य कर दिया। उसने मृत्यु, क्रूस की मृत्यु तक आज्ञाकारी बनकर अपने आप को दीन किया।” (पीफिलिप्पियों 2:6-8-GWT)
- “दूसरे दिन यूहन्ना ने यीशु को अपनी ओर आते देखकर कहा, “देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो जगत का पाप उठा ले जाता है; क्योंकि वह मुझ से पहिले था।"” (यूहन्ना 1:29-30 एनकेजेवी)
- “यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया; और देखो, उसके लिये स्वर्ग खुल गया, और वह परमेश्वर के आत्मा को कबूतर के समान उतरते और अपने ऊपर आते देखा है।” (मैथ्यू 3:16 एनकेजेवी)
- "जब यीशु कैसरिया फिलिप्पी के क्षेत्र में आया, तो उसने अपने चेलों से पूछा, 'लोग मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं?' उन्होंने उत्तर दिया, 'कुछ कहते हैं कि आप यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले हैं, अन्य एलिय्याह, अन्य यिर्मयाह या भविष्यद्वक्ताओं में से एक हैं।' उसने उनसे पूछा, 'लेकिन तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हूं?' शमौन पतरस ने उत्तर दिया, 'तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीहा है!' यीशु ने उत्तर दिया, 'शमौन, योना के पुत्र, तुम धन्य हो! यह बात किसी मनुष्य ने तुम पर प्रगट नहीं की, परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है तुम पर प्रगट की।'" (मत्ती 16:13-18 GWT)
- "के लिए *वहाँ है*एक भगवान और भगवान और पुरुषों के बीच एक मध्यस्थ,*the* मनुष्य मसीह यीशु, जिसने सब के छुड़ौती के लिये अपने आप को दे दिया।” (1 तीमुथियुस 2:5-6 एनकेजेवी)
- क्योंकि उसी में ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है।” (कुलुस्सियों 2:9 NKJV)

ख. मनुष्य को मध्यस्थ की आवश्यकता क्यों है?

- “तेरे अधर्म के कामों ने तुझे अपके परमेश्वर से अलग कर दिया है; और तेरे पाप छिप गए हैं *उसका*कि वह न सुने।” (यशायाह 59:2 एनकेजेवी)
- "मैंने इसे मानवीय शब्दों में रखा है क्योंकि आप अपने स्वभाव में कमजोर हैं। जैसे तू अपने अंगों को अशुद्धता और बढ़ती हुई दुष्टता के दासत्व में देता था... क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।” (रोमियों 6:19…23 एनआईवी)
- “सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं, और उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है सेंतमेंत धर्मी ठहराए जाते हैं। परमेश्वर ने उसके लहू पर विश्वास करने के द्वारा उसे प्रायश्चित्त के बलिदान के रूप में प्रस्तुत किया।” (रोमियों 3:23-25 एनआईवी)
- “क्या तुम नहीं जानते कि अधर्मी परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे? धोखे में मत पड़ो। न व्यभिचारी, न मूर्तिपूजक, न व्यभिचारी, न समलैंगिक, न तो पुरुषोत्तम [यौन विकारी (RSV)], न चोर, न लोभी [लालची (NIV)], न पियक्कड़, न गाली देने वाले [निंदक (NIV)], न ही अन्धेर करनेवाले [धोखेबाज (NIV)] परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे।” (1 कुरिन्थियों 6:9-10 एनकेजेवी)
- “मेरे प्यारे बच्चों, मैं तुम्हें यह इसलिए लिख रहा हूँ ताकि तुम पाप न करो। लेकिन अगर कोई पाप करता है, तो हमारे पास एक है जो हमारे बचाव में पिता से बात करता है - यीशु मसीह, धर्मी। वह हमारे पापों के लिए प्रायश्चित का बलिदान है।” (1 यूहन्ना 2:1-2 एनआईवी)
- "मसीह का सुसमाचार, क्योंकि यह हर एक विश्वास करने वाले के लिये, पहिले यहूदी और फिर यूनानी के लिये, उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ है। (रोमियों 1:16 एनकेजेवी)
- "क्योंकि परमेश्वर एक है, और परमेश्वर और मनुष्यों के बीच में एक ही बिचवई है, वह मनुष्य यीशु मसीह है, जिस ने अपने आप को सब के छुड़ौती के रूप में दे दिया।" (1 तीमुथियुस 2:5-6 ईएसवी)

सी. मसीह का सुसमाचार क्या है?

- "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।" (यूहन्ना 1:1-2NKJV)
- “तुम सब और इस्राएल की सारी प्रजा जान ले कि यीशु मसीह नासरी के नाम से जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, जिसे परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया, यह मनुष्य यहां तुम्हारे साम्हने भला चंगा खड़ा है। यह वही पत्थर है, जिसे तुम राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था, और अब कोने का मुख्य पत्थर हो गया है। **न ही किसी दूसरे में मोक्ष है**[वह मसीह है], क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।” (अधिनियम 4:10-12 एनकेजेवी)
- "हमें उसमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् पापों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है।" (इफिसियों 1:7-8 एनकेजेवी)
- “[सब] उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा सेंतमेंत धर्मी ठहराए जाते हैं, जो मसीह यीशु में हुआ है। परमेश्वर ने उसके लहू पर विश्वास करने के द्वारा उसे प्रायश्चित्त के बलिदान के रूप में प्रस्तुत किया।” (रोमियों 3:24-25 एनआईवी)
- "इसके अलावा, भाइयों, मैं तुम्हें उस सुसमाचार की घोषणा करता हूं जो मैंने तुम्हें सुनाया था, जिसे तुमने स्वीकार भी किया था और जिसमें तुम खड़े हो, और यदि तुम उस वचन को दृढ़ता से धारण करते हो जो मैंने तुम्हें सुनाया था - जब तक तुम विश्वास नहीं करते व्यर्थ। क्योंकि मैं ने सब से पहिले तुम्हें वह दिया, जो मुझे भी मिला या, कि पवित्र शास्त्र के अनुसार मसीह हमारे पापों के लिथे मरा, और गाड़ा गया, और तीसरे दिन जी उठा। (1 कुरिन्थियों 15:1-4 एनकेजेवी)
- “इसलिए, यदि कोई मसीह में है, तो वह एक नई सृष्टि है; पुराना चला गया, नया आ गया! यह सब कुछ उस परमेश्वर की ओर से है, जिस ने मसीह के द्वारा अपने साथ हमारा मेल मिलाप कर लिया, और मेल मिलाप की सेवा हमें सौंप दी है: कि परमेश्वर ने मसीह में होकर अपके साथ संसार का मेल मिलाप कर लिया, और मनुष्योंके पाप उन पर नहीं गिने। और उसने हमें मेल मिलाप का सन्देश सौंपा है।” (2 कुरिन्थियों 5:17-19)

D. कैसे एक वापस भगवान के साथ एक रिश्ते में मेल मिलाप है?

- "पतरस ने यीशु से कहा... जब वह बोल ही रहा या, कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और बादल में से यह शब्द निकला, 'यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिस से मैं प्रेम रखता हूं; उसके साथ मैं बहुत खुश हूँ। उसकी सुनो [उसे सुनो (केजेवी)]!'” (मत्ती 17:4-5 एनआईवी)
- “फिर जिस पर उन्होंने विश्वास नहीं किया, वे उसका नाम क्योंकर लें? और जिस की नहीं सुनी उस पर क्योंकर विश्वास करें?” (रोमियों 10:14 एनकेजेवी)
- "फिलिप्पुस उसके पास दौड़ा, और उसे यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक पढ़ते हुए सुना, और कहा, 'तू जो पढ़ रहा है क्या उसे समझता भी है?" उसने कहा, "जब तक कोई मुझे न समझाए, तब तक मैं कैसे कर सकता हूँ?" और उस ने फिलिप्पुस से कहा, कि मेरे पास आकर बैठ। (अधिनियम 8:30-31 NKJV)
- "विश्वास के बिना [कार्रवाई में विश्वास - एक प्रतिबद्धता] *यह है*खुश करना असंभव *उसका,*क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह है, और *वह*वह अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है।” (इब्रानियों 11:6 एनकेजेवी)
- “तुम अपने पापों में मरोगे; क्योंकि यदि तुम विश्वास न करोगे कि मैं वही हूं, तो अपने पापों में मरोगे।” (यूहन्ना 8:24 एनकेजेवी)
- "लेकिन अगर आप भगवान की ओर नहीं मुड़ते हैं और अपने सोचने और कार्य करने के तरीके को नहीं बदलते हैं [पश्चाताप (एनकेजेवी)], तो आप भी मर जाएंगे। उन 18 लोगों के बारे में क्या जो शीलोह का गुम्मट गिरने से मर गए थे? क्या तुम सोचते हो कि वे यरूशलेम में रहने वाले अन्य लोगों से अधिक पापी थे? नहीं! मैं गारंटी दे

सकता हूं कि वे नहीं थे। परन्तु यदि तुम परमेश्वर की ओर नहीं मुड़ते और [पश्चाताप (NKJV)] अपने सोचने और कार्य करने के तरीके को नहीं बदलते, तो तुम भी सब मर जाओगे। (लूका 13:3-5 GWT)

- "वचन तुम्हारे निकट है, तुम्हारे मुंह में और तुम्हारे हृदय में है (अर्थात् विश्वास का वचन जो हम प्रचार करते हैं): कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे, कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। क्योंकि धार्मिकता के लिये मन से विश्वास किया जाता है [जब वह आज्ञाकारिता के द्वारा परमेश्वर पर भरोसा रखता है] और उद्धार के लिये मुंह से अंगीकार किया जाता है।" (रोमियों 10:8-10 एनकेजेवी)
- "यहाँ तक कि जब हम पापों के कारण मरे हुए थे, तो हमें मसीह के साथ जिलाया, (अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है)" (इफिसियों 2:5 KJV)
- "क्या तुम नहीं जानते, कि हम सब जिन्हों ने मसीह यीशु का बपतिस्मा लिया, उसकी मृत्यु का बपतिस्मा लिया? जब हमने उसकी मृत्यु का बपतिस्मा लिया, तो हमें उसके साथ कब्र में रखा गया (हम पाप के लिए मर गए और गाड़े गए, डुबोए गए)। (रोमियों 6:3-4 GWT)
- "जैसे मसीह को पिता की महिमामय सामर्थ के द्वारा मृत्यु से जिलाया गया, वैसे ही हमें भी एक नए प्रकार का जीवन जीना चाहिए। यदि हम उसके समान मृत्यु में उसके साथ एक हो गए हैं, तो निश्चित रूप से हम भी उसके साथ एक हो जाएंगे जब हम उसके समान जीवन में वापस आएंगे। हम जानते हैं कि हम जो व्यक्ति हुआ करते थे वह हमारे शरीरों से पाप को समाप्त करने के लिए उनके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया था। इस वजह से हम अब और पाप के गुलाम नहीं हैं। जो मर गया है, वह पाप से छूट गया है।" (रोमियों 6:4-7 GWT)

ई. मसीह में नए प्रकार का जीवन जीना

मत्ती अध्याय 5-7 में मसीह की निम्नलिखित शिक्षाएँ मसीह में रहने के बारे में बहुत कुछ बताती हैं (रिकॉर्ड की गई सभी बातों को सूचीबद्ध करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है)।

पुरानी और नई वाचाओं के बीच विरोधाभास – मत्ती 5:21-48

1. हत्या मत करो बनाम– क्रोध, गाली, उपहास या घृणा का पालन न करें
2. दे बनाम– देने से पहले भाइयों के साथ मतभेद सुलझा लें
3. व्यभिचार न करना बनाम– किसी को यौन सुख की इच्छा से न देखना
4. अपराधी से बदला लें बनाम– भगवान को बदला लेने दें
5. अपने शत्रु से घृणा करो बनाम– अपने सभी शत्रुओं का भी भला करो

परंपराओं और नई वाचा के बीच अंतर - 6:1-18

1. मनुष्य के सामने अपनी धार्मिकता प्रदर्शित करें बनाम अपने दिल में ईश्वर की पूजा करें - आंतरिक
2. देने पर ध्यान दें बनाम– भगवान का सम्मान करते हुए गुप्त रूप से दें
3. दूसरों को प्रभावित करने के लिए प्रार्थना करें बनाम- प्रार्थना ईश्वर के लिए है
4. अपनी धार्मिकता की ओर ध्यान दिलाओ बनाम– ईश्वर पवित्र है- मनुष्य नहीं

नई वाचा आध्यात्मिक जीवन - 6:19-7:27

1. जानिए आपको भगवान की जरूरत है
2. कोमल भाव बनाए रखें
3. न्याय बनाए रखने का प्रयास करें

4. दया दिखाओ
5. विचार शुद्ध रखें
6. शांति को बढ़ावा दें
7. सही काम करने के लिए उत्पीड़न स्वीकार करें
8. परमेश्वर के साथ अपने संबंध को स्पष्ट होने दें
9. दूसरों को भगवान की सभी शिक्षाओं का पालन करना सिखाएं
10. परंपरा को परमेश्वर का वचन मानने से बचने के लिए सावधान रहें
11. भगवान पर भरोसा करो, संचित धन पर नहीं जो नष्ट हो जाता है
12. सावधान रहें कि आप अपनी आंखों के माध्यम से अपने मन में क्या लेते हैं
13. भगवान और किसी के धन पर भरोसा करना असंभव है।
14. जीवन चीजों से कहीं अधिक है
15. धर्म और न्याय को पहले रखो - बाकी सब परमेश्वर ध्यान रखता है
16. दूसरों की आलोचना न करें - आप भी पाप से कलंकित हैं
17. जो यत्न से धर्म की खोज में रहते हैं, वे उसे पाएंगे
18. परमेश्वर मांगनेवालों को देता है
19. परमेश्वर को जानो, तो कपटी और उसके कामोंको पहचान लोगे
20. परमेश्वर उन्हें पहचानता है जो उसकी इच्छा पूरी करते हैं - उन्हें नहीं जो कहते हैं कि वे करते हैं

एफ।मसीह में कैसे प्रवेश करें का सारांश

सुनना

- लगन से अध्ययन करें और पढ़ें कि मसीह और प्रेरितों ने क्या प्रचार किया क्योंकि वे जीवन के वचन हैं।

समझना

- सभी मनुष्य पापी हैं, जिन्होंने परमेश्वर की धार्मिक आज्ञाओं का उल्लंघन किया है।
- मैंने पाप किया है और मैं परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुसार नहीं जी रहा हूँ।
- मेरे पापों का परिणाम मेरी अनन्त मृत्यु होगा।
- मुझे परमेश्वर के साथ अनंत जीवन पाने के लिए क्षमा किया जाना चाहिए।
- मसीह, पाप बलि जो प्रायश्चित करता है, मेरे लिए मेरे सभी पापों को क्षमा करने का एकमात्र तरीका है।

विश्वास करें कि मसीह परमेश्वर है जो क्षमा करना चाहता है

- जीसस डब्ल्यूपरमेश्वर के रूप में और वह नासरत के यीशु के रूप में मांस में पृथ्वी पर आए और मनुष्यों के बीच रहे।
- यीशु ने स्वेच्छा से क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए अपना शारीरिक जीवन दिया - मनुष्य को उसके पापों को क्षमा करने के लिए सिद्ध बलिदान।
- उन्हें दफनाया गया, तीसरे दिन कब्र से उठे और अपने सैकड़ों शिष्यों को दिखाई दिए।
- वह पिता के साथ स्वर्ग में वापस चला गया।

मन फिराओ

- मेरे जीवन को पाप और अवज्ञा से विश्वास और आज्ञाकारिता में बदल दें।

अपराध स्वीकार करना

- दूसरों के सामने स्वीकार करें कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।

मरना

- मेरे पुराने, पापी, सांसारिक जीवन को मार डालो।

दफन रहें

- चूँकि आपका सांसारिक जीवन मर चुका है, इसे पानी में डुबोकर बपतिस्मा की कब्र में मसीह की कब्र में गाड़ दें।

पाना

- पाप के लिए आपकी मृत्यु और मसीह की मृत्यु में गाड़े जाने के बाद, परमेश्वर आपको एक नए आत्मिक प्राणी में पुनरुत्थित करता है, आपको पवित्र आत्मा देता है और आपको मसीह की देह, कलीसिया में डालता है।
-

रहना

- मसीह के लिए दृढ़ और आज्ञाकारी जीवन जीना जारी रखें, रक्त बलिदान जो पाप को क्षमा करता है और उन सभी को जो विश्वास और भरोसे के माध्यम से आज्ञाकारिता में रहते हैं, एक पछताए हुए दिल से शुद्ध करना जारी रखेंगे। आप मसीह में परमेश्वर की इच्छा पूरी करने वाले सेवक हैं।

G. क्या आप पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि यदि आप आज/आज रात को मर जाते हैं तो आप यीशु मसीह के साथ स्वर्ग में अनंत काल व्यतीत करेंगे?

- "मैं ने तुम्हें, जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसलिये लिखा है, कि तुम जानो, कि अनन्त जीवन तुम्हारा है।" (1 यूहन्ना 5:13 एनआईवी)
- “इसी कारण, मैं [यीशु] ने तुम से कहा, कि तुम अपने पापों के कारण मरोगे। यदि तुम विश्वास नहीं करते कि मैं वही हूँ, तो तुम अपने पापों के कारण मरोगे।” (जॉन 8:24 GWT)

आज फैसले का दिन है!
इसका निर्णय आपको करना है!
आप क्या चुनेंगे?

अनन्त जीवन

"'जो लोग मेरी बात सुनते हैं और विश्वास करते हैं (मसीह के प्रति समर्पण करते हैं) जिन्होंने मुझे भेजा है, उनके पास अनन्त जीवन होगा। उनका न्याय नहीं किया जाएगा क्योंकि वे पहले ही मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चुके हैं। "मैं इस सच्चाई की गारंटी दे सकता हूं: एक समय आ रहा है (और अब यहां है) जब मृतक परमेश्वर के पुत्र की आवाज सुनेंगे और जो इसका जवाब देंगे वे जीवित रहेंगे।'" (यूहन्ना 5:24-25 जीडब्ल्यूटी)

या

अनन्त मृत्यु

“वह ऐसा तब करेगा जब प्रभु यीशु प्रकट होगा, *आ रहा*स्वर्ग से अपने सामर्थी दूतों के साथ धधकती हुई आग में। वह उन लोगों से बदला लेगा जो परमेश्वर को स्वीकार करने से इनकार करते हैं और उन लोगों से जो हमारे प्रभु यीशु, मसीह के बारे में अच्छी खबर [सुसमाचार] का जवाब [आज्ञा (एनआईवी)] देने से इनकार करते हैं। वे यहोवा की उपस्थिति और उसकी महिमा की शक्ति से अलग होकर, हमेशा के लिए नष्ट किए जाने के द्वारा दंड चुकाएंगे।” (2 थिस्सलुनीकियों 1:7-10 GWT)

प्रशन

1. कल्पना से परे ब्रह्मांड जटिल था
   a. ____ अनायास और संयोग से अस्तित्व में आया
   b. ____ योजनाबद्ध और जटिल रूप से डिजाइन किया गया

2. मनुष्य को परमेश्वर की समानता में बनाया गया था इसलिए मनुष्य
   a. ____ में चुनने और निर्णय लेने की क्षमता होती है
   b. ____ केवल वही कर सकता है जो उसे करने के लिए प्रोग्राम किया गया था

3. अदन में रहने के दौरान परमेश्वर ने आदम को क्या निर्देश दिए?
   a. ____ ईडन गार्डन की देखभाल करें, उसकी देखभाल करें
   b. ____ भले और बुरे के ज्ञान के वृक्ष के फल का सेवन न करना
   c. ____फूलो-फलो, बढ़ो, पृथ्वी में भर जाओ, और उसको अपने वश में कर लो
   d. ____ उपरोक्त सभी

4. आदम और हव्वा ने शैतान की बात सुनी और अपनी इच्छाओं के आगे झुक गए
   टी ____ एफ ____

5. सभी धर्मग्रंथ, बाइबल, परमेश्वर की ओर से हैं और मनुष्य के लिए परमेश्वर की इच्छा को पढ़ने और समझने के लिए लिखे गए हैं ताकि मनुष्य परमेश्वर को प्रसन्न कर सके।
   टी। ____ एफ। ____

6. पाप तब होता है जब एक:
   a. ____ इच्छाओं द्वारा लुभाया गया, लालच दिया गया और लुभाया गया
   b. ____ अपनी इच्छाओं के प्रलोभनों के आगे झुक जाता है

7. आदम और हव्वा को अपने पापों का कोई परिणाम नहीं भुगतना पड़ा?
   टी। ____ एफ। ____

8. नूह के समय में मनुष्य की दुष्टता के कारण परमेश्वर ने सभी मानव जाति को पूरी तरह से नष्ट कर दिया सिवाय इसके कि:
   एक। ____ एडम और ईव
   बी। ____ नूह और उसका परिवार
   सी। ____ इब्राहीम और उसका परिवार

9. परमेश्वर ने इब्राहीम से वादा किया था
   एक। ____ इस्राएल के बच्चे अनन्त जीवन पाने के लिए चुने गए थे
   बी। ____ अन्यजातियों को अनन्त मृत्यु की निंदा की गई थी
   सी। ____ नस्ल की परवाह किए बिना सभी राष्ट्रों के लोग आशीषित होंगे

10. परमेश्वर ने मूसा और इस्राएल की सन्तान के साथ वाचा बाँधी?
    टी। ____ एफ। ____

11. मूसा इब्राहीम से वादा किए गए देश में प्रवेश नहीं कर सका क्योंकि उसने परमेश्वर को सम्मान देने के बजाय अपने ऊपर सम्मान लिया।
    टी। ____ एफ। ____

12. इस्राएल के बच्चों द्वारा भगवान को चढ़ाए गए बैल और बकरों के पशु बलिदान उनके पापों को क्षमा करने के लिए थे?
टी। ____ एफ। ____

13. मसीह ने अपने भौतिक शरीर को मनुष्य के पापों की क्षमा के लिए पापबलि के रूप में परमेश्वर को अर्पित कर दिया।
टी ____ एफ ____

14. मसीह ने उन सभी के साथ एक नई वाचा में प्रवेश किया जो आज्ञाकारिता के द्वारा उस पर अपना भरोसा रखकर उसे प्रभु के रूप में स्वीकार करते हैं?
टी। ___ एफ। ___

15. सभी मनुष्य परमेश्वर को प्रसन्न करने में विफल रहे हैं और उन्हें छुटकारा पाने के लिए क्षमा की आवश्यकता है।
टी। ____ एफ। ____

16. मसीह का पाप-बलि, प्रायश्चित बलिदान, क्षमा प्रदान करता है:
a. ____ सब लोग
b. ____ जो मानते हैं
c. ____ जो मसीह में अपना भरोसा और आज्ञाकारिता रखते हैं और उनकी शिक्षाओं को जीते हैं

17. पापों की क्षमा, मोक्ष, में पाया जाता है
एक। ____ जो सही और ईश्वरीय है उसके बारे में विश्वास
बी। ____ अच्छे कार्य और वह जीवन जो वे जीते हैं
सी। ____ मसीह

18. वे कौन हैं जो स्वर्ग में प्रवेश नहीं करेंगे?
a. ____ व्यभिचारी
b. ____ मूर्तिपूजक
c. ____ व्यभिचारी
d. ____ समलैंगिकों
e. ____ सदोमाइट्स [यौन विकृतियाँ]
f. ____ चोर
g. ____ कवरर्स [लालची]
h. ____ शराबी
i. ____ निंदा करने वाले [बदनाम करने वाले]
j. ____ जबरन वसूली करने वाले [धोखेबाज]
k. ____ उपरोक्त सभी

19. जहां उद्धार और क्षमा के लाभ मौजूद हैं वहां कोई मसीह में कैसे प्रवेश करता है?
a. ____ परमेश्वर के मृत्युदंड और पुनरुत्थान के संदेश को सुनें, सुसमाचार - परमेश्वर का पुत्र मसीह
b. ____ समझें कि मसीह के पाप-बलि के बिना कोई क्षमा नहीं हो सकती
c. ____ निःसंदेह विश्वास करें कि मसीह परमेश्वर है और था
d. ____ जीवनशैली को दुनियादारी से देवत्व में बदलकर पश्चाताप करें
e. ____ अपने विश्वास को अंगीकार करें कि मसीह परमेश्वर का पुत्र है
f. ____ पाप के पुराने जीवन के लिए मरो
g. ____ उस पुराने सांसारिक जीवन को पानी में डुबो कर मसीह की मृत्यु में दफन कर दें जिसे अक्सर बपतिस्मा कहा जाता है।

h. ____ ईश्वर से एक पुनर्जीवित आध्यात्मिक शरीर, पवित्र आत्मा का उपहार और उनके राज्य, क्राइस्ट बॉडी, उनके चर्च में सदस्यता प्राप्त करें।
i. ____ मसीह की शिक्षाओं के प्रति विश्वासयोग्यता से जियें ताकि मसीह का लहू आपको सारी अधार्मिकता से शुद्ध करता रहे
j. ____ उपरोक्त सभी

20. अपने ईश्वर और निर्माता के साथ आपकी स्थिति क्या है?
a. ____ आप यीशु के बारे में जानते हैं
b. ____ मसीह आपको जानता है